

---

Shri Vasavi Kanyakaparameshvari Ammavari Prarthana

श्रीवासवीकन्यकापरमेश्वरी अम्मवारी प्रार्थना

Document Information

---

Text title : Vasavi Kanyaka Parameshvari Prarthana

File name : vAsavIkanyakAparameshvarIprArthanA.itx

Category : devii, aShTaka, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : page 45 Sri Vasavi Devi Divyakatha

Latest update : May 31, 2019

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---


श्रीवासवीकन्यकापरमेश्वरी अम्मवारी प्रार्थना




कन्यकाम्बा कन्यकाम्बा कन्यकाम्बा पाहि माम् ।  
वासवी श्रीकन्यकापरमेश्वरी जय रक्ष माम् ॥ १ ॥  
कमल?हानै? कमलवदने करुणहृदये पाहि माम् ।  
कनकवर्णे कन्यारूपिणि कनकवासने रक्ष माम् ॥ २ ॥  
पापनाशिनि परमपावनि भयविनाशिनि पाहि माम् ।  
दुष्टशिक्षिणि शिष्टरक्षिणि भक्तपालनि पाहि माम् ॥ ३ ॥  
भद्ररूपिणि भद्रदायिनि भक्तपालनि पाहि माम् ।  
भक्तिरञ्जनि शक्तिरूपिणि मुक्तिदायिनि रक्ष माम् ॥ ४ ॥  
कुसुमपुत्रि असमगात्रि कमलनेत्रि पाहि माम् ।  
विष्णुवर्धनिवंशमर्दनि विमलचरिते रक्ष माम् ॥ ५ ॥  
वैश्यतोषिणि विश्वपोषिणि विश्वरूपिणि पाहि माम् ।  
विश्वमोहिनि विश्वपावनि विश्वरक्षणि रक्ष माम् ॥ ६ ॥  
भक्तितो पठि?यिञ्चुवारल? परमपावनि पाहि माम् ।  
इहपरा?दुल? ?कोर्कालिच्चादु? ईश्वरी जय रक्ष माम् ॥ ७ ॥  
वर?मुलासगादा? भक्त?जनलकु? वरदरूपिणि पाहि माम् ।  
?वासिग? पानुगाण्डपट्टणक्षेत्रवासिनि रक्ष माम् ॥ ८ ॥  
इति श्रीवासवीकन्यकापरमेश्वरी अम्मवारी प्रार्थना ।

The words in ? marks are Telugu. If you can, please provide equivalent Sanskrit words. Send to (sanskrit at cheerful dot c om)

Proofread by PSA Easwaran

——  
*Shri Vasavi Kanyakaparameshvari Ammavari Prarthana*

pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

